ललितगेटः सरकार की नई मुसीबत

प्रतियोगी परीक्षाएंः महा फिक्सिंग

योग को जरूरी बनाएगी सरकार

राजस्थान विशेष

1526

1 जुलाई 2015 20 रुपए

इंडिया टुडे

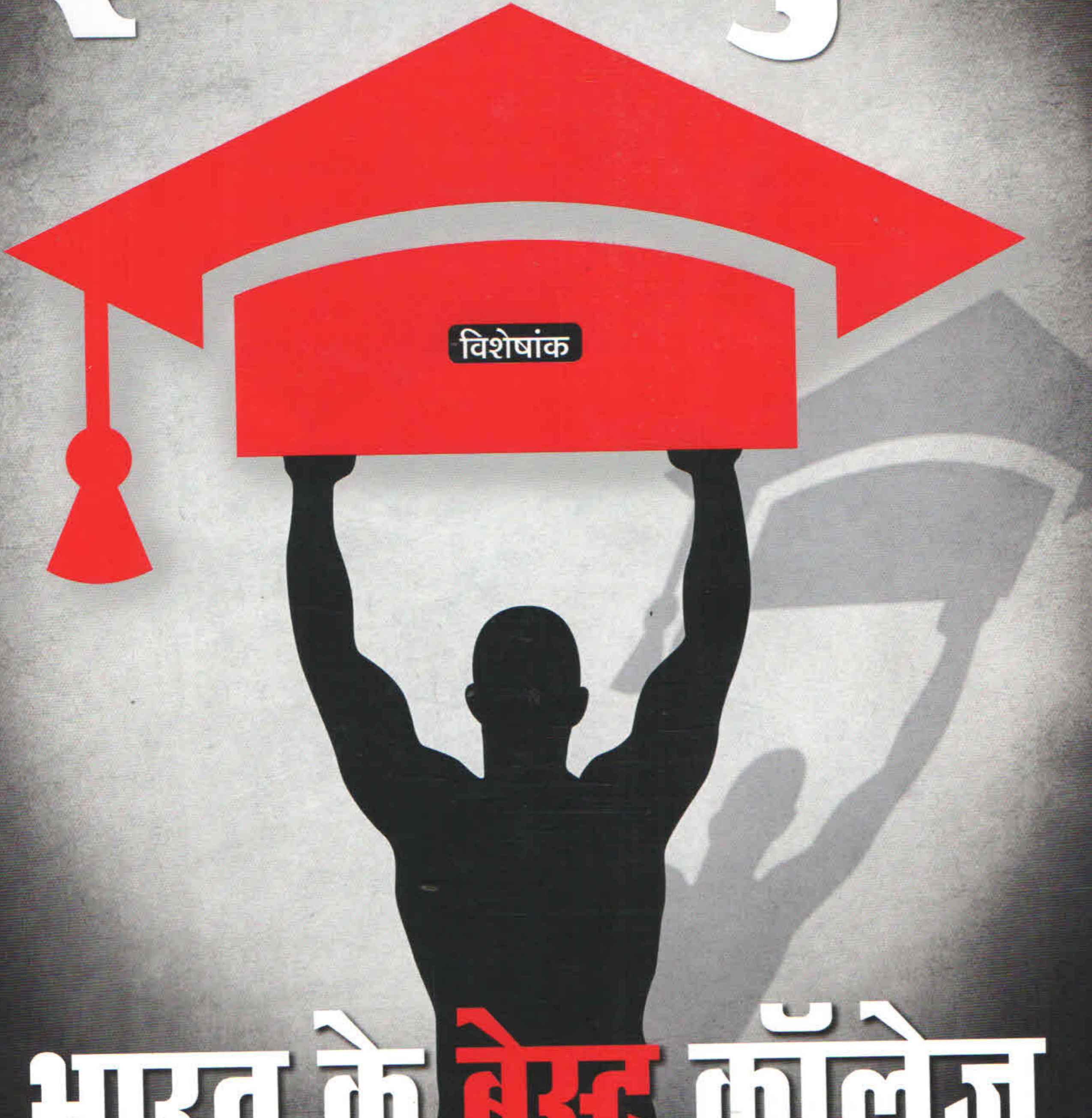

भारत के बेस्ट कॉलेज

देशव्यापी विशेष सर्वेक्षण में उभरे नए विजेता

LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT

RNI NO. 45823/86 REGISTERED NO. FARIDABAD/46/2014-16 ; DL(ND)-11/6042/2015-2017; U(C)-31/2015-2017

www.indiatodayhindi.in

(SKIT)

pal Meel

ector

श्री लाल बहादुर शास्त्री शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान

श्री लालबहादुर शास्त्री शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना वर्ष 2000 में पश्चिमी राजस्थान के विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं तकनीकी विकास के उद्धेश्य से की गयी, जिसका मुख्य उद्धेश्य ग्रामीण एंव शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार के माध्यम से चिकित्सा, पर्यावरण, शिक्षा प्रसार एवं जन जागृति के कार्य करना है। संस्थान द्वारा संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों में Nursing, Veterinary, B.Ed., S.T.C., B.Tech. M.Tech. Polytechnic, I.T.I इत्यादि हैं, जो कि अपनी गुणवत्ता के कारण उत्तरी भारत में अलग पहचान रखते हैं। वर्ष दर वर्ष उन्नति करते हुए संस्थान द्वारा संचालित एस.एल.बी.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज पश्चिमी राजस्थान में पैट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग प्रारम्भ करने वाला राज्य का प्रथम एवं देश का 9वाँ इंजीनियरिंग कॉलेज बनकर उभरा है। साथ ही पश्चिमी राजस्थान में मिले अपार खनिज स्त्रोंतो एवं पैट्रोलियम भण्डारों तथा प्रदेश में प्रस्तावित सरकारी रिफायनरी को देखते हुए भविष्य में आने वाली पैट्रोलियम क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की माँग को ध्यान में रखते हुए हाल ही (वर्ष 2015) में संस्थान द्वारा कैयर्न एनर्जी, बाड़मेर के प्रशिक्षण केन्द्र–केयर्न सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के साथ एम.ओ. यू.साईन कर प्रति वर्ष संस्थान के छात्रों को कैयर्न सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स में प्रशिक्षण भी करवाया जायेगा। अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा सभी अध्ययनरत छात्राओं को प्रति वर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों एवं कार्योंको देखते हुए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2012 में संस्थान के सी.एम.डी. श्री जितेन्द्र गोदारा को शिक्षा उद्यमी पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। फैकल्टी में शामिल, पूर्व आर.पी.एस.सी चेयरमैन प्रो. एस.एस. टाक, स्ट्रक्चर के राष्ट्रीय स्तर के अध्यापक प्रो. पी.सी. मेहरा, प्रो. आर.के. पुरोहित (जिनकी 50 से अधिक पुस्तकें इंजीनियरिंग छात्रों में लोकप्रिय हैं), प्रो. अशोक धारीवाल, जो सिविल में एक बड़ा नाम है, इस कॉलेज में छात्रों को उच्च कोटि की शिक्षा देने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप साल दर साल कैम्पस प्लेसमेंट में छात्रों की चयन संख्या में निरन्तर बढ़ोतरी हो रही है। संस्था वर्ष 2015 में संभाग में सर्वाधिक चयन करने वाले कॉलेज के रूप में उभरी है। संस्थान के विभिन्न विद्यार्थी विश्वस्तरीय अग्रणी निजी उद्योगों, प्रक्रमों एवं संस्थानों के साथ–साथ विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। संस्थान से उत्तीर्ण विद्यार्थी देश के साथ–साथ विभिन्न विदेशी कम्पनियों एवं संस्थानों में भी अपनी सेवायें प्रदान करके संस्थान एवं देश का परचम लहरा रहे हैं। इस वर्ष के कैंम्पस प्लेंसमेंट में 100 से ज्यादा छात्र चयनित हो चुके हैं, जिसमें पॉलीटेक्निक का सम्पूर्ण इलैक्ट्रिकल बैच शामिल है।

जे.के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय

"ज्ञान को प्रज्ञता व सूचना को व्यवहारिक संकल्पनाओं में परिवर्तित करता केन्द्र"

शिक्षा की इसी अवधारणा को सिद्धान्त मानकर जे.के.लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2011 में जयपुर में हुई। उद्देश्य था, छात्रों को सम्पूर्ण एवं समग्र ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें भविष्य के अधिनायक बनने के लिए प्रेरित करना। विश्वविद्यालय की विशिष्ताएं हैं–उत्तम इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रतिभाशाली व युवा फैकल्टी तथा छात्रों के प्लेसमेंन्ट्स पर विशेष उद्यम, जिससे वे उत्कृष्ट टैक्नोक्रेट्स में शुमार हो सकें। यहाँ के पाठ्यकम में इंटर्नशिप पर विशेष बल दिया जाता है जिससे छात्र उच्च कोटि के व्यवसायी कर्मी बन सकें। इसी ध्येय की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय औद्योगिक जगत के साथ मिल कर इन्टर्नशिप पर कार्य करता है। बौद्धिक सम्पदा के सृजन को समर्पित केन्द्रजे.के.लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय जे.के. समूह– जो कि पिछले 100 वर्षों से देश के अग्रणी औद्योगिक संगठनों में शुमार है, द्वारा प्रवर्तित है। लक्ष्मीपत सिंघानिया एजुकेशन फाउंडेशन व अन्य गैर–सरकारी संगठनों के माध्यम से जे.के. समूह कई वर्षों से सामाजिक महत्व के कार्यों– जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक कल्याण तथा शहरी व ग्रामीण आधारभूत विकास में संलग्न है।

जे.के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के प्रेरणा स्त्रोत हैं लाला लक्ष्मीपत सिंघानिया जो एक महान दृष्टा, व्यवसायी तथा लोक कल्याण नेता के रूप में प्रसिद्ध हैं। लाला लक्ष्मीपत उच्च शिक्षा व प्रबन्धन कौशल को देश के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक मानते थे। उन्होंने सदैव प्रतिभा आधारित प्रगति का सम्मान किया है। उनके शब्दों में, "हमें ऐसे समाज की आवश्यकता है, जिसे अपने इतिहास पर गर्व हो, जो वर्तमान के प्रति सजग हो, तथा भविष्य के प्रति आशावान हो। एक ऐसा समाज जिसमें हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों के प्रति समान रूप से जागरूक हो।" उनके महान आदर्शों से प्रेरित जे.के. समूह लक्ष्मीपत सिंघानिया एजुकेशन फाउंडेशन के द्वारा देश भर में हर वर्ग के नागरिकों के लिए उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान कर रहा है।

कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन (CHA)

कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन (CHA) की स्थापना वर्ष 2007 में होटल व्यवसाय से जुडे विशेषज्ञों द्वारा हुई। पिछले कुछ वर्षों में संस्थान ने हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के व्यवसायिक कौशल को बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

CHA कई मायनों में अन्य संस्थाओं से अलग कहा जा सकता है। यह राज्य का एकमात्र ऐसा केन्द्र है जहाँ हॉस्पिटैलिटी शिक्षा वैश्विक स्तर पर प्रदान की जाती है। यहाँ अपनाये जाने वाले पाठ्यकम में हॉस्पिटैलिटी व्यवसाय के नए ट्रेण्ड्स व कॅन्सेप्ट्स को शामिल किया जाता है। संस्थान की शिक्षण प्रणाली भी नियमित रूप से अपडेट की जाती है। CHA की शैक्षणिक विधि में प्रख्यात हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट विशेषज्ञों द्वारा कोर्स की व्यापक डिटेलिंग शामिल है। साथ ही फैकल्टी द्वारा निर्मित कोर्स मैटेरियल की विशेषज्ञों के पैनल द्वारा समीक्षा की जाती है। संस्थान में समय समय पर देश–विदेश के नामी होटल्स से एक्सटर्नल फैकल्टी के रूप में विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जाता है, जो विशेष सत्रों में छात्रों को इस क्षेत्र की नई जानकारियां प्रदान करते हैं। CHA का पाठ्यकम व इंफ्रास्ट्रक्चर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं, जिससे छात्रों में व्यवसायिक कुशलता की अनुभूति होती है। संस्थान के छात्रों का प्लेसमेन्ट देश–विदेश के प्रसिद्ध होटल्स व कम्पनियों में हुआ है जिनमें ओबेरॉय, ताज, स्टारवुड, मैरियट्स, कार्लसन, ललित, शॉपर्स स्टॉप, इंडिगो, स्पाइसजेट, रोटाना, हॉलिडे इन, इत्यादि शामिल हैं।